AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अच्छी रैंकिंग दिलाने के लिए लविवि बनेगा मेंटर

प्रदेश के सभी राज्य विवि को नैक, एनआईआरएफ, एनबीए के लिए करेगा तैयार, बना नोडल केंद्र, कल राज्यपाल करेंगी उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (नैक), नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), नेशनल बोर्ड एक्रीडिटेशन (एनबीए), क्यूएस आदि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों का सहयोग करेगा। इसके साथ उनको मेंटरिंग भी करेगा। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा पिछले दिनों चंद्रशेखर यूनिवर्सिटी के साथ किए गए एमओयू के क्रम में लविवि को नोडल केंद्र बनाया गया है। केंद्र का उद्घाटन उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल रविवार को सुबह 10.30 बजे करेंगी।

इस अवसर पर एक कार्यशाला भी होगी। इसमें उप मुख्यमंत्री व नकिरा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय समेत 11 राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति शिरकत करेंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन व पहल के तहत प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान बनाने के लिए और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के लिए कवायद की जा रही है।

इसी क्रम में एनआईटी काउंडेशन चंडीगढ़ व उच्च शिक्षा विभाग के बीच यूपी सेंटर फॉर रैंकिंग एक्रीडिटेशन एंड मेंटरिंग (उफक्रम) केंद्र के लिए एमओयू किया गया है। यह उफक्रम केंद्र लविवि स्थित ओएनजीसी बिल्डिंग में स्थापित किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि उद्घाटन अवसर पर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे, जो कार्यशाला में उक्त चीजों से जुड़ी विशिष्ट व विस्तृत जानकारी साझा करेंगे। इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य प्रदेश के विश्वविद्यालयों की हैंड होल्डिंग करना, उनका आवश्यक सहयोग करना और सभी के आपसी तालमेल से प्रदेश के विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर का तैयार करना है। इसमें लविवि अपनी विशिष्टता के साथ हमेशा आगे खड़ा रहेगा। बता दें कि हाल ही में लविवि ने नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त की है। प्रदेश में यह उपलब्धि सिर्फ उसी को मिली है।

11 राज्य विवि के कुलपति होंगे शामिल

उफक्रम के उद्घाटन अवसर पर कार्यशाला में लविवि, मेरठ विवि, बरेली विवि, छत्रपति साहू जी महाराज विवि कानपुर, एमएमजेयू गोरखपुर, केजीएमयू, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि कानपुर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि अयोध्या के कुलपति व आईकएफएसी के अध्यक्ष और चांसलर के निदेशक शामिल होंगे।

अपने कॉलेजों को भी कर रहा तैयार

लविवि अपने सहयुक्त महाविद्यालयों को भी नैक के लिए तैयार कर रहा है। इस क्रम में पांच जिलों के लगभग 30 कॉलेजों का मार्गदर्शन कर रहा है। जिन कॉलेजों ने आवेदन कर लिया है, उनके साथ निरीक्षण की प्रक्रिया और जहां अभी आवेदन नहीं हुआ है, वहां आवेदन में सहयोग कर रहा है। इसके साथ ही कुछ अन्य विश्वविद्यालयों को भी सेस्टाउन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

लविवि कैंपस में अब नहीं प्रवेश कर सकेंगे वाहन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र 2022-23 में पठन-पाठन शुरू हो गया है। इसी क्रम में विवि प्रशासन ने कैंपस को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया है। सभी से अपने वाहन निर्धारित स्टैंड में खड़े कर परिसर में प्रवेश करने की अपील की गई है। इसे लेकर चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रो. द्विवेदी ने कहा है कि सभी शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी अपने विभाग के पास स्थित वाहन स्टैंड पर गाड़ी खड़ी करने के बाद ही कैंपस में प्रवेश करें। यदि अपरिहार्य कारणों से किसी कर्मचारी को परिसर में वाहन लाना जरूरी है तो अपने विभागाध्यक्ष से प्रायवेटल देकर वाहन पास जारी करा लें। इन्हें गेट नंबर दो से प्रवेश दिया जाएगा। विद्यार्थियों से कहा गया है कि वे परिसर में पैदल ही प्रवेश करेंगे। कोई छात्र अनधिकृत रूप से वाहन कैंपस में लाने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विद्यार्थी अपने आई-कार्ड व फीस रसीद की कॉपी जरूर रखें। यहां से छात्र सभी के लिए पूरी तरह से बंद रहेगा। जिन शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, दिव्यांग विद्यार्थियों को वाहन पास जारी किया गया है वे गेट नंबर दो से कैंपस में प्रवेश ले सकेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 5 & 7

मोहान रोड पर बनेगा एलयू का तीसरा कैंपस

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी का तीसरा कैंपस मोहान रोड पर खुलेगा। इसमें एग्रीकल्चर विधा की पढ़ाई होगी। विवि की अकैडमिक काउंसिल ने शुक्रवार को एग्रीकल्चर फैकल्टी खोलने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। इसके साथ एलयू में एमए-ड्राइंग ऐंड पेंटिंग, एमएससी-ऐक्चुअरियल स्टैटिस्टिक्स और एमटेक की पढ़ाई शुरू करने का भी फैसला हुआ है।

एलयू का मोहान रोड स्थित कैंपस मेन कैंपस से करीब 25 किमी दूर होगा। इसके लिए राज्य सरकार करीब 50 हेक्टेअर जमीन मुहैया करवाएगी। इस कैंपस में एग्रीकल्चर स्ट्रीम में बीएससी और एमएससी कोर्स के अलावा पीएचडी भी होगा। एग्रीकल्चर की सभी शाखाओं के साथ एनिमल हसबैंड्री से जुड़े कोर्स भी पढ़ाए जाएंगे। अकैडमिक काउंसिल से सहमति के बाद प्रस्ताव कार्य परिषद में रखा जाएगा। इसके बाद तय होगा कि किस कोर्स में कितनी सीटें होंगी और कितने शिक्षक-कर्मचारी होंगे। इसके साथ फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर की बिल्डिंग का खाका भी तैयार होगा। एग्रीकल्चर कोर्सों के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर पहले ही अनुमति दे चुका है। जानकारी के मुताबिक, पिछले साल ही बॉटनी विभाग में एग्रीकल्चर के कोर्स शुरू करने की रूपरेखा तय हुई थी। एलयू के एक वरिष्ठ शिक्षक ने बताया कि एलयू के सहयुक्त करीब 20 कॉलेजों में एग्रीकल्चर की पढ़ाई होती है, जहां करीब 50 हजार छात्र-छात्राएं हैं। फिलहाल विवि के पास इस विधा का कोई शिक्षक नहीं है। विवि की अपनी एग्रीकल्चर फैकल्टी खुलने के बाद लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के एग्रीकल्चर कॉलेज भी संबद्धता हासिल कर सकेंगे।

अकैडमिक काउंसिल का फैसला, खुलेगा कृषि संकाय

एमए-ड्राइंग ऐंड पेंटिंग, एमएससी-ऐक्चुअरियल स्टैटिस्टिक्स और एमटेक भी शुरू होगा

रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

एलयू के वनस्पति विज्ञान विभाग के हेड प्रो. मुन्ना सिंह ने बताया कि विवि का तीसरा संकाय खुलने से एग्रीकल्चर में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इससे छात्रों के अलावा किसानों को भी कृषि से जुड़ी अहम जानकारियां मिल सकेंगी। यूपी की एग्रीकल्चर जीडीपी में विवि का यह कैंपस अहम भूमिका निभाएगा।

JAGRAN CITY PAGE IV

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थापित होगा उपक्रम केंद्र

टाप रैंकिंग में आने के लिए राज्य विश्वविद्यालयों को दिए जाएंगे टिप्स राज्यपाल आनंदीबेन कल करेंगी उद्घाटन

जासं, लखनऊ : नैक ए प्लस प्लस ग्रेड पाने के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय दूसरे राज्य विश्वविद्यालयों को भी उच्च ग्रेड एवं रैंकिंग पाने के लिए सहयोग देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के ओएनजीसी सेंटर में यूपी सेंटर फार रैंकिंग एक्रीडिटेशन एंड मेंटरिंग 'उफक्रम' केंद्र स्थापित किया जाएगा। 16 अक्टूबर को इस केंद्र का उद्घाटन राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। केंद्र के माध्यम से उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान बनाने से लेकर गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने एवं अंतरराष्ट्रीय उच्च रैंकिंग लाने के लिए तैयार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि राज्य विश्वविद्यालयों को टाप यूनिवर्सिटी बनाने, क्वालिटी एजुकेशन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें एनआइआरएफ सहित टाप रैंकिंग पाने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से एनआइडी फाउंडेशन चंडीगढ़ विश्वविद्यालय सहयोग करेगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय एवं वैश्विक रैंकिंग बढ़ाने, गुणवत्ता एवं शिक्षा में वृद्धि के लिए प्रणालियों व प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए एनआइडी फाउंडेशन चंडीगढ़ विश्वविद्यालय सहयोग करेगा। इस केंद्र की स्थापना से विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय एवं वैश्विक रैंकिंग बढ़ाने, गुणवत्ता एवं शिक्षा में वृद्धि के लिए प्रणालियों व प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए एनआइडी फाउंडेशन चंडीगढ़ विश्वविद्यालय सहयोग करेगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों को भी टाप यूनिवर्सिटी एजुकेशन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें एनआइआरएफ सहित टाप रैंकिंग पाने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से एनआइडी फाउंडेशन चंडीगढ़ विश्वविद्यालय सहयोग करेगा।

परास्नातक कोर्सों में सीटें खाली, अब सीधे प्रवेश

जासं, लखनऊ : श्री जय नारायण मिश्र पीजी कालेज (केकेसी) में परास्नातक कोर्सों में काउंसिलिंग के बाद कई विषयों में सीटें खाली हैं। अब इन पर सीधे प्रवेश का मौका दे दिया गया है। एमए हिन्दी, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और एमएससी भौतिकशास्त्र विषय में अभ्यर्थी दाखिला ले सकते हैं। शुक्रवार को कालेज की प्राचार्या प्रो. मीता साह ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया।

केकेसी में इस बार पीजी के विभिन्न विषयों की 470 सीटों पर 1113 आवेदन आए थे। कालेज ने 28 सितंबर को नौ विषयों की मेरिट जारी कर 29 व 30 सितंबर को काउंसिलिंग कराई। प्रवेश के बाद अभी पांच विषयों में सीटें खाली हैं। प्राचार्या ने बताया कि जो अभ्यर्थी प्रवेश लेना चाहते हैं, वह संबंधित विभाग में संपर्क कर लें। इसके अलावा एमकाम प्वार में जिन छात्र-छात्राओं ने काउंसिलिंग कराने के बाद भी फीस नहीं जमा की है, उन्हें 16 अक्टूबर तक फीस जमा करके विभाग में संपर्क करने का मौका दिया गया है। इसके बाद इनकी काउंसिलिंग निरस्त कर दी जाएगी।

फीस रिफंड के लिए 19 तक भर सकते हैं फार्म : केकेसी में इस साल स्नातक में जिन अभ्यर्थियों को फीस रिफंड चाहिए, उन्हें 19 अक्टूबर तक फार्म भरकर प्राचार्य कार्यालय में सुबह 11 से 12.30 बजे तक जमा करना होगा। इसके बाद फार्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। छात्र प्रवेश या निरस्तीकरण संबंधी सूचना के लिए प्राचार्य कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय कालेज में काउंसिलिंग शुरू

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को पीजी में दाखिले के लिए काउंसलिंग शुरू हो गई ● लीजिमल कालेज

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज में शुक्रवार से परास्नातक समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, गृहविज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं जन्तु विज्ञान विषय में दाखिले के लिए काउंसिलिंग शुरू हो गई। पहली मेरिट में शामिल छात्राएं अभिलेखों का सत्यापन कराने पहुंचीं। यहां पीजी की 230 सीटों पर प्रवेश होने। प्राचार्या प्रो. अनुराधा तिवारी ने बताया कि पहली मेरिट में शामिल अभ्यर्थियों को 17 अक्टूबर तक प्रवेश का मौका दिया जाएगा। उसके बाद बची सीटों पर वेटिंग वालों को बुलाएंगे। 20 तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के कुलपति एवं संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के निदेशक शामिल होंगे। इसके अलावा उच्च शिक्षा मंत्री, चिकित्सा शिक्षा मंत्री भी प्रतिभाग करेंगे।

पीजी में प्रवेश के लिए 15 अक्टूबर तक करें आवेदन: बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में स्नातक कोर्स (यूजी) में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। समर्थ पोर्टल और बीबीएयू वेबसाइट पर मेरिट सूची देखकर अभ्यर्थी 16 अक्टूबर तक फीस जमा करा सकते हैं। रिक्त सीटों की जानकारी 17 अक्टूबर को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मिलेगी। उधर, सीयूईटी (कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) क्वालीफाई करने वाले अभ्यर्थी परास्नातक (पीजी) के लिए पोर्टल पर 15 अक्टूबर तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों को नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखनी चाहिए।

पार्ट टाइम एमटेक समेत तीन नए कोर्सों पर मुहर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि प्रशासन पार्ट टाइम पीएचडी के बाद नए सत्र 2022-23 से पार्ट टाइम एमटेक की भी शुरुआत करेगा। नए कोर्स विषय इंजीनियरिंग संकाय के अंतर्गत चलाया जाएगा, जिसमें फैकरी पिस्ता लोगों को एमटेक करने का अवसर मिलेगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई विद्या परिषद की बैठक में इस पर मुहर लगी। जल्द नियं समिति की बैठक में इसका शुल्क तय किया जाएगा।

विद्या परिषद ने साप्ताहिकी विषय के तहत एमएससी इन एक्चुरियल स्टेटिस्टिक्स और एण्ड इंडाग एंड पेंटिंग के नए कोर्स शुरू करने को भी हरी झंडी दी। एण्ड इंडाग एंड पेंटिंग का कोर्स विश्वविद्यालय में आइई कॉलेज में चलेगा। कला संकाय के अंतर्गत इसे सहयुक्त कॉलेज भी संचालित कर सकेंगे। कॉकशन के साथ को-कैरिकुलर कोर्स में भी इसमेंबन्ध पैटर्न की परीक्षा कराने पर भी मुहर लगी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विवि में कृषि संकाय शुरू करने का प्रस्ताव भी पास कर दिया गया है। अभी विश्वविद्यालय के कॉलेजों में यह कोर्स चलता है और विवि उसका एमसेस करता है। अब विश्वविद्यालय में भी बीएससी-एमएससी एवं आदि कृषि से जुड़े कोर्सों का संचालन किया जा सकेगा। इसका सिलेबस पहले से रहुत है। कला कि एमसेस में भी विश्वविद्यालयों को मल्टी डिसीप्लेरी एजुकेशन पर फोकस किया गया है। इसके तहत विश्वविद्यालय यह शुरुआत कर रहा है। प्रदेश सरकार के सहयोग से हमें इसके लिए जवीन मिलती है। तब तक अन्य औपचारिकता पूरी कर रहे हैं। हम इस पर सेप्तताप्रवेशन भी करायेंगे।

लविवि : कृषि संकाय की स्थापना का प्रस्ताव भी पास

सीतापुर राजकीय कॉलेज के दो कोर्स होंगे शुरू

प्रो. राय ने बताया कि विद्या परिषद ने विश्वविद्यालय को ओर से संचालित किए जाने वाले सीतापुर स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय के लिए दो सर्टिफिकेट कोर्स भी पास किए हैं। इसमें सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन टेक्स एन्ड्रोइडस व टेलिफोन मेंटनेंस एंड मेंटेनेंस शामिल है। विशिष्ट रिडेवीलर के साथ इन कोर्सों की शुरू किया जाएगा। इसके बाद दिये कोर्स शुरू होंगे।

एनईपी का उच्च शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान

लखनऊ। यूजीसी के पूर्व चेयरमैन व मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का उच्च शिक्षा के उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान है। वह इंडियन बॉटनिकल सोसायटी ऑफ इंडिया तथा वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से तीन दिवसीय 45 वीं ऑल इंडिया बॉटनिकल कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रो. सिंह को वनस्पति विज्ञान क्षेत्र में योगदान के लिए लाइफ टाइम एचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। 'जलवायु परिवर्तन: जैव विविधता, अनुकूलन और शमन' विषयक कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में प्रो. धीरेंद्र ने कहा कि एनईपी, प्रत्येक जिले में बहु शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय आज बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों के चारित्रिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास पर जोर दिया। इस अवसर पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि ने देश के पहले विवि के तौर पर शैक्षणिक सत्र 2021 में पीजी सत्र पर एनईपी को लागू किया है। कार्यक्रम को बॉटनिकल सोसायटी की सचिव प्रो. सेसु लावन्या, आयोजन सचिव प्रो. नलिनी पांडेय ने संबोधित किया। इस अवसर पर प्रो. मुन्ना सिंह, प्रो. पी गहलोत, प्रो. एचके गोस्वामी, प्रो. शशि पांडेय राय, डॉ. सुधाकर रेड्डी आदि मौजूद थे। उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र का आयोजन हुआ। (माई सिटी रिपोर्टर)

पीजी के 15 कोर्सों में फीस जमा करने का मौका आज भी

ऐडमिशन अलर्ट

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी दाखिला के तहत 15 पाठ्यक्रमों में चयनित उम्मीदवारों को फीस जमा करने का एक मौका और दिया है। जिन अभ्यर्थियों को सीट अलॉट हुई है, वह अब शनिवार तक अपनी फीस जमा कर सकते हैं। इनमें एम ए एंथ्रोपॉलजी, भूगोल, हिंदी, गणित, एमआईएच, राजनीति शास्त्र, एमएससी में एंथ्रोपॉलजी, एप्लाइड जियोलजी, बायोटेक्नॉलजी, कंप्यूटर साइंस, जियोलजी, गणित, भौतिकी, जन्तु विज्ञान और मास्टर (समाज कार्य) शामिल हैं। एलयू ऐडमिशन को-ऑर्डिनेटर पंकज माथुर ने बताया कि इन 15 विषयों के अभ्यर्थी अपनी लॉगिन आईडी से फीस जमा कर सकते हैं। कट ऑफ की पूरी जानकारी विवि की वेबसाइट के पीजी ऐडमिशन पेज पर मुहैया है।

पुनर्वास विवि : एमटेक में आवेदन 28 तक

■ एनबीटी, लखनऊ: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में एमटेक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ऐंड मशीन लर्निंग और एमटेक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ऐंड डाटा साइंस की 20-20 सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी दोनों कोर्स के लिए 28 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। विवि के कुलपति प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह ने चरण की काउंसलिंग एक से पांच नवंबर तक होगी।

पीएचडी हिंदी के लिए साक्षात्कार 19 और 20 को

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी में हिंदी के पीएचडी दाखिला सत्र 2021-22 में चयनित उम्मीदवारों का साक्षात्कार 19 और 20 अक्टूबर को होगा। फूल टाइम पीएचडी के इन अभ्यर्थियों को सभी मूल प्रमाण पत्रों, अभिलेखों और अंकपत्रों के साथ आना होगा। ऐडमिशन को-ऑर्डिनेटर पंकज माथुर ने बताया कि इन 15 विषयों के अभ्यर्थी अपनी लॉगिन आईडी से फीस जमा कर सकते हैं। कट ऑफ की पूरी जानकारी विवि की वेबसाइट के पीजी ऐडमिशन पेज पर मुहैया है। वहां एक से 100 तक सीरियल वाले उम्मीदवारों का साक्षात्कार किया जाएगा। इसी दिन 101 से 200 की संख्या वाले कैंडिडेट को दोपहर एक बजे से बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि 20 अक्टूबर की सुबह 9:30 बजे 301 से 300 तक सीरियल वाले अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। 301 से 371 तक के उम्मीदवारों का साक्षात्कार इसी दिन दोपहर एक बजे से होगा। वहीं केकेसी में एमए की चार और एमएससी के एक कोर्स की बची हुई सीटों पर सीधे दाखिले दिए जाएंगे।

पुनर्वास विवि का दीक्षांत समारोह आठ नवंबर को

■ एनबीटी, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि का नौवां दीक्षांत समारोह आठ नवंबर को मनाया जाएगा। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया गया है जो इस विवि के सामान्य परिषद के अध्यक्ष भी हैं। वहीं राज्यपाल और विवि की कुलाध्यक्ष आनंदी बेन पटेल समारोह की अध्यक्षता करेंगी। शकुंतला विवि के कुलपति प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। वहीं परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमित कुमार राय ने बताया कि इस बीच कुल 156 विद्यार्थियों को मेडल दिया जाएगा, जबकि विवि के 968 छात्र-छात्राओ को स्नातक और परास्नातक की उपाधि और डिग्री दी जाएगी। संवद्ध महाविद्यालय को मिला कर कुल 1436 विद्यार्थियों को उपाधि से नवाजा जाएगा। इस दौरान टीएस मिश्रा मेडिकल कॉलेज के 109 छात्र-छात्राओं को भी एमबीबीएस की डिग्री दी जाएगी।

पीजी के 15 विषयों में आज भी जमा कर सकते हैं फीस

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी के 15 विषयों में किए गए सीट आवंटन में अभ्यर्थियों को एक दिन और फीस जमा करने का मौका दिया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि एमए एंथ्रोपोलाजी, एमए जाग्रफी, एमए हिन्दी, एमए मैथमेटिक्स, एमए (मध्यकालीन व आधुनिक भारतीय इतिहास), एमए पालिटिकल साइंस, एमएससी एंथ्रोपोलाजी, एमएससी अप्लाइड जियोलाजी, एमएससी बायोटेक्नोलाजी, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी जियोलाजी, एमएससी मैथमेटिक्स, एमएससी फिजिक्स, एमएससी जूलाजी व मास्टर्स सोशलवर्क में शनिवार को भी फीस जमा कर सकते हैं। (जासं)

लवि कैंपस में समूह बनाकर नहीं घूम सकेंगे विद्यार्थी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2022-23 में पढ़ाई शुरू हो चुकी है। ऐसे में परिसर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चीफ प्रावटर प्रो. राकेश द्विवेदी ने निर्देश जारी किए हैं। सभी छात्र-छात्राओं को गेट नंबर एक, दो, चार व पांच पर अपने वाहन रखकर पैदल ही प्रवेश दिया जाएगा। छात्र-छात्राओं को समूह बनाकर घूमने पर रोक लगाई गई है। विश्वविद्यालय के नार्थ गेट (मछली गेट) सभी के लिए बंद रहेगा। इसके किसी भी तरीके का आवागमन नहीं होगा। परिसर में जिन शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं को प्रावटर कार्यालय से वाहन पास जारी किए गए हैं, उन्हें गेट नंबर दो से प्रवेश दिया जाएगा। (जासं)

प्रो . धीरेंद्र को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

जासं, लखनऊ : इंडियन बाटनिकल सोसायटी आफ इंडिया एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को तीन दिवसीय 45वें अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार तथा यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रोफेसर प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि किया। इस अवसर पर उन्हें वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में पत्रिका 'एबट्रैक्ट्स' का विमोचन भी हुआ।

तीन दिवसीय 45वें अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार शिक्षाविद् प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अन्य अतिथि मौजूद रहे। इस दौरान पत्रिका का विमोचन भी किया गया ● लीजिमल लवि

प्रतिभा की बढ़ाने पर जोर दिया। सम्मेलन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि लविवि देश की पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसने शैक्षणिक सत्र 2021 में स्नातकोत्तर स्तर पर नई शिक्षा पद्धति को सफलतापूर्वक लागू किया। कार्यक्रम में बॉटनिकल सोसायटी की सचिव प्रो. सेसु लावन्या, आयोजन सचिव प्रो. नलिनी पांडेय, वनस्पति विज्ञान विभाग के हेड प्रो. मुन्ना सिंह, प्रो. पी. गहलोत, प्रो. एचके गोस्वामी, प्रो. शशि पांडेय राय, डा. सुधाकर रेड्डी भी उपस्थित रहे।

TRUE TIMES PAGE 2

पीजी के 15 विषयों में आज भी जमा होगी फीस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में 15 विषयों का सीट एलॉटमेंट जारी किया गया था। इनकी फीस जमा करने की अंतिम तिथि 14 अक्तूबर थी। विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए इसे 15 अक्तूबर तक बढ़ा दिया गया है।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि एमए एंथ्रोपोलॉजी, एमए जियोग्राफी, एमए हिंदी, एमए मेडिवल एंड मॉडर्न इंडियन हिस्ट्री, एमए राजनीति विज्ञान, एमएससी एंथ्रोपोलॉजी, एमएससी अप्लाइड जियोलॉजी, एमएससी बायो टेक्नोलॉजी, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी जियोलॉजी, एमएससी मैथ्स, एमएससी फिजिक्स, एमएससी जियोलॉजी व मास्टर ऑफ सोशल वर्क के विद्यार्थी अपनी लॉगइन आईडी से शनिवार तक अनिवार्य रूप से फीस जमा कर दें। इसके बाद सीटें खाली रहने पर अगले चरण की प्रवेश प्रक्रिया करवाई जाएगी।

लविवि ने छात्रों को दिया एक और मौका

फीस रिफंड के लिए करें आवेदन

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र पीजी कॉलेज (केकेसी) में नए सत्र 2022-23 में स्नातक की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई है। जिन विद्यार्थियों को फीस रिफंड के लिए आवेदन करना है वे 19 अक्तूबर तक प्राचार्य कार्यालय में आवेदन कर दें। छात्र प्रवेश या निरस्तीकरण समेत किसी तरह की सूचना के लिए प्राचार्य कार्यालय में सुबह 11 बजे संपर्क कर सकते हैं।

■ **सुभाष चंद्र बोस में पीजी काउंसिलिंग शुरू :** लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी महाविद्यालय में शुक्रवार से प्रवेश काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू हुई। प्राचार्या प्रो. अनुराधा तिवारी ने बताया कि आज से समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास और जंतु विज्ञान विषयों की काउंसिलिंग शुरू हुई। मेरिट के अनुसार छात्राओं के मूल प्रपत्रों की जांच की गई। 20 अक्तूबर तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

प्रो. पीजी माह ने बताया कि इसके अभ्यर्थी

45 वीं ऑल इंडिया बॉटनिकल कांफ्रेंस का लखनऊ विश्वविद्यालय में सफलतापूर्वक उद्घाटन

ट्रू टाइम्स संवाददाता

इंडियन बॉटनिकल सोसायटी ऑफ इंडिया तथा वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 'जलवायु परिवर्तन: जैव विविधता, अनुकूलन और शमन' पर 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक तीनदिवसीय 45 वीं ऑल इंडिया बॉटनिकल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि उत्तरप्रदेश मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार तथा यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रख्यात शिक्षाविद प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह थे। इसमें प्रो. डी. पी. सिंह को वनस्पति विज्ञान क्षेत्र में अद्भुत योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह ने जलवायु परिवर्तन और नयी शिक्षा पद्धति के महत्व के बारे में बताया। इन्होंने उच्च शिक्षा में नयी शिक्षा पद्धति की प्रगति, प्रत्येक जिले में बहु शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय, बहुविषयक कार्यक्रम, तथा विद्यार्थियों के चारित्रिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास के साथ उन्हें बहुमुखी प्रतिभा की ओर अग्रसित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने सभागार को संबोधित करते हुए बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय देश की पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जिसने शैक्षणिक सत्र 2021 में स्नातकोत्तर स्तर पर नई शिक्षा पद्धति को सफलतापूर्वक लागू किया। साथ ही बॉटनिकल सोसायटी की सचिव प्रो. सेसु लावन्या, आयोजन सचिव प्रो. नलिनी पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इस